AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : कई पाठ्यक्रमों के लिए संयुक्त दाखिला परीक्षा

परास्नातक व प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में 10 जून तक आवेदन का मौका

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक के साथ ही परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दाखिले प्रवेश परीक्षा के आधार पर होने हैं। इनमें से कई पाठ्यक्रम ऐसे हैं जिनके लिए कॉमन प्रवेश परीक्षा होने के बाद मेरिट भी एक साथ जारी जाएगी।

काउंसलिंग के समय अलग-अलग सीट आवंटन होगा। एमबीए, एमटीटीएम, बीपीएड, एमपीएड, एलएलबी, एलएलएम और एमबीए-एमफए पाठ्यक्रमों को छोड़कर सभी पीजी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा में स्नातक स्तर के सवाल पूछे जाएंगे। प्रवेश परीक्षा की अवधि 90 मिनट की होगी। इसमें 100 बहुविकल्पीय सवालों के जवाब देने होंगे।

लविवि प्रवक्ता ने बताया कि एमएससी बॉटनी-एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमए कंपोजिट हिस्ट्री-एमए वेस्टर्न हिस्ट्री, एमएससी एंथ्रोपोलॉजी-एमए एंथ्रोपोलॉजी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस- एमए फोरेंसिक साइंस, एमएससी मैथ्स-एमए मैथ्स और एमए सांख्यिकी-एमएससी सांख्यिकी, एमएससी बायोस्टैट-एमए बायोस्टैट की प्रवेश परीक्षा कॉमन रहेगी।

इसके साथ ही कुछ विषय ऐसे हैं जिनके आवेदन फॉर्म एक साथ मांगे गए हैं। इनमें एमएससी बॉटनी-एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमए कंपोजिट हिस्ट्री- एमए वेस्टर्न हिस्ट्री और एमए सांख्यिकी-एमएससी सांख्यिकी, एमएससी बायोस्टैट-एमए बायोस्टैट पाठ्यक्रम शामिल हैं।

300 नंबर की होगी एमएड प्रवेश परीक्षालविवि में एमएड प्रवेश परीक्षा 250 नंबर की होगी। इसमें सौ नंबर मेंटल एबिलिटी, 80 नंबर सब्जेक्ट के बहुविकल्पीय और 20 नंबर विषय पर आधारित शॉर्ट आंसर, 25 नंबर अंग्रेजी और 25 नंबर हिंदी भाषा की परीक्षा के आधार पर दिए जाएंगे। इसके साथ ही 50 नंबर विभिन्न कक्षा में हासिल किए गए नंबर के आधार पर प्रदान किए जाएंगे।

पाठ्यक्रम में प्रवेश का आधार

एमबीए-एमटीटीएम : जनरल अवेयरनेस, इंग्लिश वर्बल एबिलिटी एंड कंप्रेहेंशन, डाटा इंटरप्रेटेशन एंड लॉजिकल रीजनिंग, क्वांटेटिव एप्टीट्यूड।

एलएलबी : इंडियन पॉलिटी, जनरल अवेयरनेस, लॉजिकल एप्टीट्यूड, मेंटल एबिलिटी।

एलएलएम : ज्यूरिसप्रूडेंस, लॉ ऑफ कांट्रेक्ट, लॉ ऑफ टार्ट्स, फेमिली लॉ, लॉ ऑफ क्राइम, कांस्टीट्यूशनल लॉ ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल लॉ।

एमबीए-एमएफए : लिखित परीक्षा, प्रैक्टिकल एग्जाम, इंटरव्यू।

60 फीसदी सीट भरने पर ही चलेगा सेल्फ फाइनेंस कोर्स

लविवि ने साफ किया है कि सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रम का संचालन केवल उसी सूरत में किया जाएगा जबकि उसकी 60 फीसदी सीट भर जाएंगी। इससे कम दाखिले होने पर पाठ्यक्रम का संचालन नहीं किया जाएगा।

बीटेक में 7.5 सीजीपीए लाने पर एमटेक में सीधे दाखिला

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ विवि के इंजीनियरिंग संकाय में लागू होगी नई शिक्षा नीति

पांच साल के बीटेक के बाद सिर्फ एक ही साल में मिलेगी एमटेक की डिग्री

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में नई शिक्षा नीति पूरी तरह से लागू होने जा रही है। इसमें एक बड़े बदलाव के तहत पहली बार बीटेक में 7.5 सीजीपीए लाने वाले विद्यार्थियों को एमटेक में सीधे दाखिला मिल जाएगा। बीटेक पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि चार से बढ़कर पांच साल हो जाएगी। साथ ही हर स्तर पर कोर्स छोड़कर डिग्री लेने का विकल्प भी मिलेगा। पांच साल का बीटेक करने वाले विद्यार्थियों को एमटेक की पढ़ाई सिर्फ एक साल ही करनी होगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि एनईपी-2020 को अपनाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है।

इंजीनियरिंग संकाय में नई शिक्षा नीति लागू होने पर विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र में व्यावसायिक पाठ्यक्रम द्वारा अपनी क्षमता का निर्माण कर पाएंगे। इससे उनके लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि नए बदलाव के बाद अब छात्र बीटेक के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे प्रथम वर्ष में इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट मिलेगा।

द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ता है तो इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा और बीटेक तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ने पर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एडवांस डिप्लोमा दिया जाएगा। चौथे साल की पढ़ाई पूरी करने पर उसके पास तीन विकल्प होंगे। पहले विकल्प में उसे बीटेक की डिग्री दी जाएगी। दूसरे विकल्प में उसे अनुसंधान द्वारा संबंधित शाखा में बीटेक की उपाधि मिलेगी। इस डिग्री के बाद एमटेक की उपाधि उसे सिर्फ एक साल का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पढ़ने के बाद मिल जाएगी। तीसरे विकल्प में उसे एमटेक के इंटीग्रेटेड कोर्स में दाखिला मिल जाएगा। आखिरी दोनों विकल्प सिर्फ बीटेक के उन विद्यार्थियों को मिलेंगे जिन्होंने 7.5 सीजीपीए के साथ परीक्षा पास की हो।

■ **खुद अपना पाठ्यक्रम तैयार कर सकेंगे विद्यार्थी :** नई शिक्षा नीति में लविवि ने विद्यार्थियों को यह मौका दिया है कि वे अपनी क्षमता के आधार पर स्वयं पाठ्यक्रम डिजाइन कर सकें। इसके साथ ही मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच को अपनाया गया है, जिसके तहत प्रबंधन या कुछ अन्य विषयों को बीटेक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। पाठ्यक्रम में अनुसंधान और नवाचार को भी शामिल किया जा रहा है।

JAGRAN CITY PAGE IV

डेलीगेट्स को अयोध्या, काशी की यात्रा भी कराएगा लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से तीन से सात जनवरी, 2024 को होने वाले 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन की तैयारी तेजी से चल रही है। खास बात यह है कि इसमें आने वाले डेलीगेट्स, शोधार्थियों को विश्वविद्यालय लखनऊ के साथ-साथ अयोध्या, काशी और नैमिषारण्य जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा भी कराएगा। इसके लिए रेलवे बोर्ड को स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए पत्र लिखा जाएगा। लवि ने भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन के लिए जूलाजी विभाग के प्रो. एस पी त्रिवेदी को आयोजन सचिव बनाया है। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में तैयारी शुरू हो चुकी है।

प्रो. एस पी त्रिवेदी

प्रो. गीतांजलि मिश्रा

प्रो. पूनम टंडन

वेबसाइट पर कराना होगा पंजीकरण : लवि की वेबसाइट पर 109वें इंडियन साइंस कांग्रेस के नाम से लिंक दिया जाएगा। सम्मेलन में आने वाले डेलीगेट्स को इस पर गूगल फार्म के जरिये आनलाइन पंजीकरण करना होगा। आफलाइन पंजीकरण की सुविधा भी रहेगी।

इन्हें बनाया गया स्थानीय सचिव : स्थानीय सचिव भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन तथा जन्तु विज्ञान विभाग की प्रो. गीतांजलि मिश्रा को बनाया गया है।

कुलपति ने मंगवाई 500 होटल की सूची

आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी ने बताया कि सम्मेलन में 15000 लोगों के आने की उम्मीद है। इनमें तीन हजार को कैंपस के 17 हास्टल में ठहरने की सुविधा दी जाएगी। बाकी के लिए 500 होटल की सूची कुलपति ने मंगाई है। मैंने 27 होटल जाकर कमरे चेक किए हैं।

आइटी कालेज : बीएड दाखिले के लिए होगी प्रवेश परीक्षा

जासं, लखनऊ : आइटी कालेज ने सत्र 2023-25 के बीएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए सात मई तक आवेदन का मौका दिया है। इसमें सिर्फ क्रिश्चियन माइनारिटी वर्ग की महिला अभ्यर्थी आवेदन कर सकती हैं। संस्थान की 50 में से 25 सीटों पर दाखिले कालेज की ओर आयोजित प्रवेश परीक्षा से लिए जाएंगे। शेष 25 सीटों पर राज्य सरकार की ओर से प्रवेश परीक्षा एवं काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश मिलेगा।

वर्ष 2022 तक कि परीक्षा पास वाली क्रिश्चियन माइनारिटी की अभ्यर्थी आवेदन कर सकती हैं। स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राएं भी आवेदन के लिए पात्र हैं। न्यूनतम शैक्षिक योग्यता में ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस, साइंस, कामर्स डिग्री 50 फीसद अंक या पीजी में इंजीनियरिंग और टेक्नोलाजी साइंस एंड मैथमेटिक्स विषय में 55 फीसद अंकों के साथ पास होना जरूरी है।

पांच वर्ष में बीटेक के साथ एमटेक की डिग्री

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में बीटेक कोर्सेस अब सत्र 2023-24 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संचालित होंगे। चार वर्षों के दौरान छात्र किसी भी चरण में फिर से प्रवेश लेने के लिए स्वतंत्र हैं। बीटेक के पांचवें वर्ष के पूरा होने के बाद संबंधित शाखा में अनुसंधान द्वारा एकीकृत बीटेक के साथ एमटेक की डिग्री दी जाएगी। बोर्ड आफ स्टडीज से प्रस्ताव पास होने के बाद शुक्रवार को विश्वविद्यालय ने इसका विस्तृत विवरण जारी किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अभियांत्रिकी संकाय के बीटेक कोर्सेस में नई शिक्षा नीति लागू होने पर इंजीनियरिंग शिक्षा में एक्सेस, इक्विटी, क्वालिटी, अफोर्डेबिलिटी, फ्लेक्सीबिलिटी, मल्टी डिस्प्लनरी, एप्रोच एवं अकाउंटेबिलिटी बढ़ेगी। छात्र अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र में व्यवसायिक पाठ्यक्रम द्वारा अपनी क्षमता का निर्माण कर पाएंगे, जिससे छात्र के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि छात्रों को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी।

ये होगी प्रक्रिया : एक साल पूरा होने के बाद कोर्स छोड़ने पर चाहे तो इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में सर्टिफिकेट, दो साल पूरा होने पर डिप्लोमा, तीसरे साल में कोर्स छोड़ना चाहे तो एडवांस डिप्लोमा दिया जाएगा।

चौथे साल में ये सुविधा : बीटेक चौथे साल में छात्र-छात्राओं को तीन विकल्प मिलेंगे। पहले विकल्प में संबंधित शाखा में बीटेक, दूसरे विकल्प में अनुसंधान के माध्यम से संबंधित शाखा में बीटेक और तीसरे विकल्प में अनुसंधान द्वारा संबंधित शाखा में इंटीग्रेटेड बीटेक के साथ एमटेक की सुविधा मिलेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया • सौ सौ

HINDUSTAN PAGE 6

लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को बाबा साहेब की जयंती मनाई गई।

शैक्षिक संस्थानों में मनाई गई जयंती

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती पर विवि परिसर स्थित वहीं एकेटीयू में कर्मचारियों व शिक्षकों ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसी तरह से पुनर्वास विश्वविद्यालय, केएमसी, खुन खुन जी गर्ल्स व मुमताज पीजी, विद्यान्त हिन्दू कॉलेज में भी जयंती पर विभिन्न आयोजन हुए। जिसमें बाबा साहेब को नमन किया गया।

प्रो. एसपी त्रिवेदी बने ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी

लखनऊ। लविवि में तीन से सात जनवरी के बीच होने जा रही 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने जंतु विज्ञान विभाग के प्रो. एसपी त्रिवेदी को ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी का दायित्व सौंपा है। वहीं, लोकल सेक्रेटरी पद की जिम्मेदारी प्रो. पूनम टंडन और प्रो. गीतंजलि मिश्रा को दी है। तीनों शिक्षक विज्ञान कांग्रेस से संबंधित सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करवाएंगे। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विज्ञान कांग्रेस के विभिन्न सत्रों में नोबेल पुरस्कार विजेताओं व राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं के व्याख्यान होंगे। इस आयोजन में 20 हजार लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम को लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। (संवाद)

लविवि में कुलपति ने आंबेडकर प्रतिमा पर किया माल्यार्पण।

विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी आयोजन

- लविवि में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नवीन परिसर में भीमोत्सव कार्यक्रम हुआ। खुन्खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज चौक में एकेडमिक पीपल ऑफ सोसायटी की ओर से एक दिवसीय संगोष्ठी हुई। भाषा विवि में कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी।
- बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में आंबेडकर जयंती मनाई गई। इस मौके पर सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य मौजूद थे, उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज की एक महिला भारत की राष्ट्रपति है, बाबा साहेब होते तो इस बात से सर्वाधिक खुश होते।
- डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दृष्टिबाधित छात्रों ने अपने गीतों से बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।
- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, ट्रिडियागंज स्थित राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज में आयोजन हुए। बाल निकुंज स्कूल्स एंड कॉलेजेस में भाषण व सुलेख प्रतियोगिता हुई।

राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद।

THE PIONEER PAGE 3

LU BTech courses to follow NEP

Lucknow (PNS): New Education Policy has been implemented in the BTech courses of Faculty of Engineering and Technology, Lucknow University. Vice-Chancellor Prof AK Rai said that Lucknow University is the first in the country to have adopted NEP-2020, which aims at bringing a multidisciplinary approach.

"Now, access, equity, affordability, quality, flexibility, multidisciplinary approach and accountability will increase in engineering education. There is no demarcation between vocational and general education under NEP. In this way, according to their interest, students will be able to build their capacity through vocational courses in a particular field, which will increase employment opportunities for the student," the VC said.

AMRIT VICHAR PAGE 4

महाविद्यालयों में मनाई गई अंबेडकर जयंती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय समेत डॉ. शकुंतला विश्वविद्यालय व भाषा विश्वविद्यालय में माल्यार्पण के साथ हुईं प्रतियोगिताएं

अमृत विचार : विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में शुक्रवार को अंबेडकर जयंती मनाई गई। इसमें प्रमुख रूप से लखनऊ विश्वविद्यालय समेत डॉ. शकुंतला विवि व भाषा विश्वविद्यालयों माल्यार्पण के साथ कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालयों में भी अंबेडकर जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 132वीं जयंती पर विश्वविद्यालय परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वहीं विश्वविद्यालय के विधि संकाय में भीमोत्सव कार्यक्रम का पांचवां संस्करण आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में लीगल क्विज एवं आर्टिकल राइटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। लीगल क्विज की विजेता खुशबू पाण्डेय जबकि उपविजेता ज्योति कुमारी रहीं जिन्हें अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए डीन प्रो. डॉ. बंशीधर सिंह ने कहा हमें बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है, उनके दिखाए गए मार्ग पर एवं बताए गए सिद्धांतों पर चलकर श्रेष्ठ राष्ट्र के निर्माण की संकल्पना को यथार्थ रूप देना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. डॉ. बीबी मलिक एवं डॉ. प्रेम कुमार गौतम ने बाबा साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। स्टूडेंट डीन इंद्र दमन तिवारी ने कहा कि ऐसे समय में जब संवैधानिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है ऐसे में बाबा साहब की दी हुई शिक्षा अधिक प्रासंगिक है।

लविवि ने तीन प्रोफेसरों को दी अहम जिम्मेदारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 3 जनवरी से 7 जनवरी 2024 को आयोजित होने जा रहे 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की तैयारियां जारी हैं। इसी बीच विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने इस अधिवेशन के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी का दायित्व जन्तु विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एसपी त्रिवेदी को सौंपा है। लोकल सेक्रेटरी भौतिक विज्ञान विभाग की प्रो पूनम टंडन (डीन, स्टूडेंट वेलफेयर) और जन्तु विज्ञान विभाग की और प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा को बनाया गया है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के विभिन्न सत्रों में नोबेल पुरस्कार विजेताओं, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों, वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और नीति निर्माताओं सहित अनेक छात्र-छात्राओं के शामिल होते हैं। विगत वर्षों में इस आयोजन मे 15000 से अधिक शोधार्थी प्रतिभाग किए हैं। पिछले अधिवेशन जनवरी 2023 में नागपुर मे हुए भारतीय विज्ञान कांग्रेस के सत्र मे लगभग 16000 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। लखनऊ विश्वविद्यालय मे होने वाले सत्र मे लगभग 20000 प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है।

लविवि : बीटेक कोर्सों में नई शिक्षा नीति लागू

एनईपी लागू करने वाला देश का पहला संस्थान है लखनऊ विश्वविद्यालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय में बीटेक कोर्सेस अब सत्र 2023-24 से नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत संचालित होंगे। अब बीटेक पाठ्यक्रम में नयी शिक्षा नीति को लागू कर दिया गया है। इस बात की जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने शुक्रवार को दी है।

प्रो. राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय एनईपी 2020 को अपनाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसका उद्देश्य बहु-विषयक दृष्टिकोण लाना है। अब अभियांत्रिकी संकाय के बी.टेक कोर्सेस में नई शिक्षा नीति लागू होने पर इंजीनियरिंग शिक्षा में एक्सेस, इक्विटी, अफॉर्डेबिलिटी, क्वालिटी, फ्लेक्सीबिलिटी, मल्टीडिस्प्लनरी एप्रोच एवं अकाउंटेबिलिटी बढ़ेगी। एनईपी के तहत व्यावसायिक और सामान्य शिक्षा के बीच कोई सीमांकन नहीं है। इस प्रकार छात्र अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र में व्यवसायिक पाठ्यक्रम द्वारा अपनी क्षमता का निर्माण कर पाएंगे, जिससे छात्र के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

एनईपी लागू होने से ये होंगे फायदे

अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि एनईपी लागू होने से बीटेक छात्र न केवल अध्ययन के अधिक महत्वपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण ज्ञान के साथ सुसंगत होंगे, बल्कि उन्हें अपनी क्रिएटिव एबिलिटीज, सकारात्मक योग्यता को भी विकसित करने का पूर्ण अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि एनईपी न केवल सीखने की प्रक्रिया में फ्लेक्सिबिलिटी लाएगा। साथ ही छात्रों को उनकी रूचि के आधार पर अपने स्वयं के पाठ्यक्रम डिजाइन करने की अनुमति देगा। अभियांत्रिकी संकाय के बीटेक पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति लागू होने पर अब छात्रों को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी जिससे छात्र बीटेक के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे प्रथम वर्ष में इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट मिलेगा। बीटेक द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर अगर छात्र कोर्स छोड़ता है तो उसे इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा मिलेगा। वहीं बीटेक तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर अगर छात्र कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एडवांस डिप्लोमा दिया जाएगा। छात्र बीटेक के चौथे वर्ष के पूरा होने के बाद संबंधित शाखा में अनुसंधान डिग्री द्वारा बी.टेक या बी.टेक से सम्मानित किया जाएगा। बीटेक के चौथे वर्ष के पूरा होने के बाद संबंधित शाखा में अनुसंधान की ओर से एक एकीकृत बी.टेक प्लस एम.टेक से सम्मानित किया जाएगा।

छात्रों के सामने होंगे ये विकल्प

विकल्प 1 – संबंधित शाखा में बी.टेक

विकल्प 2 – अनुसंधान द्वारा संबंधित शाखा में बीटेक

विकल्प 3 – अनुसंधान द्वारा संबंधित शाखा में इंटेग्रेटेड

अभियांत्रिकी संकाय के शिक्षकों द्वारा बी.टेक पाठ्यक्रम ऐसे डेवलप किए गए हैं, जिससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभव मिले और वह वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो। इससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने और नौकरी के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। एनईपी शिक्षा में टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देती है जिसके तहत बीटेक पाठ्यक्रमों में नवीनतम तकनीकी प्रगति को शामिल किया जाएगा, जिससे छात्रों को नवीनतम तकनीक से अपडेट रहने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी।

–प्रोफेसर अलोक राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

चार वर्षों में किसी भी चरण में फिर ले सकते हैं प्रवेश

बीटेक प्लस एमटेक विकल्प दो और तीन केवल 7.5 से अधिक या उसके बराबर सीजीपीए वाले छात्रों के लिए लागू होगा इसमें चार वर्षों के दौरान, छात्र किसी भी चरण में फिर से प्रवेश लेने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके अलावा छात्रों को बी.टेक के चौथे वर्ष के पूरा होने के बाद संबंधित शाखा में अनुसंधान डिग्री द्वारा बी.टेक या बी.टेक से सम्मानित किया जाएगा। बी.टेक के चौथे वर्ष के पूरा होने के बाद संबंधित शाखा में बीटेक की डिग्री के साथ बाहर निकल सकते हैं, भले ही उन्होंने अनुसंधान डिग्री (छठे सेमेस्टर के पूरा होने के बाद) द्वारा एकीकृत बीटेक प्लस एमटेक का विकल्प चुना हो। इसके साथ ही छात्रों को बीटेक के पांचवें वर्ष के पूरा होने के बाद संबंधित शाखा में अनुसंधान की ओर से एक एकीकृत बी.टेक प्लस एम.टेक से सम्मानित किया जाएगा।

छात्रों को होंगे ये फायदे

अभियांत्रिकी संकाय के बीटेक पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति लागू होने पर अब छात्रों को मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट की सुविधा मिलेगी। अगर छात्र बीटेक के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे प्रथम वर्ष में इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट मिलेगा। बीटेक द्वितीय वर्ष पूर्ण होने पर अगर छात्र कोर्स छोड़ता है तो उसे इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा मिलेगा। बीटेक तृतीय वर्ष पूर्ण होने पर अगर छात्र कोर्स छोड़ना चाहे तो उसे इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एडवांस डिप्लोमा दिया जाएगा।

सकारात्मक योग्यता को भी विकसित करने का पूर्ण अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि एनईपी न केवल सीखने की प्रक्रिया में फ्लेक्सिबिलिटी लाएगा साथ ही छात्रों को उनकी रुचि के आधार पर अपने स्वयं के पाठ्यक्रम डिजाइन करने की अनुमति देगा।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के सेक्रेट्री बने एसपी त्रिवेदी

लखनऊ (एसएनबी)। तीन से 7 जनवरी 2024 को लखनऊ विश्वविद्यालय मे होने वाले 109वी भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की तैयारियां प्रारंभ हो गई है । इस क्रम में कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो आलोक कुमार राय ने इस अधिवेशन के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी का दायित्व जन्तु विज्ञान विभाग के प्रो.एस. पी. त्रिवेदी को सौपा है। लोकल सेक्रेटरी भौतिक विज्ञान विभाग की पूनम टंडन और जन्तु विज्ञान विभाग की प्रो गीतांजलि मिश्रा को बनाया गया है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के विभिन्न सत्रों में नोबेल पुरस्कार विजेताओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों, वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और नीति निर्माताओं सहित अनेक छात्र शामिल होते है। सामान्यतः विगत वर्षो में इस आयोजन मे 15000 से अधिक शोधार्थी प्रतिभाग किए है। पिछले अधिवेशन जनवरी 2023 में नागपुर मे हुए भारतीय विज्ञान कांग्रेस के सत्र मे लगभग 16,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

PIONEER PAGE 3

साइंस कांग्रेस के आयोजन को लेकर आर्गनाइजिंग कमेटी गठित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

3 जनवरी से 7 जनवरी 2024 को लखनऊ विश्वविद्यालय मे होने वाले 109वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं । कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों की रूपरेखा पर कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

इस क्रम में विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने अधिवेशन के ऑर्गनाइजिंग सक्रेटरी का दायित्व जन्तु विज्ञान विभाग के प्रो एस पी त्रिवेदी को सौंपा है। लोकल सेक्रेटरी भौतिक विज्ञान विभाग की प्रो पूनम टंडन और जन्तु विज्ञान विभाग की प्रो गीतांजलि मिश्रा को बनाया गया है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के विभिन्न सत्रों में नोबेल पुरस्कार विजेताओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों, वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों और नीति निर्माताओं सहित अनेक छात्र-छात्राओं के शामिल होते हैं। सामान्यतः विगत वर्षों में इस आयोजन मे 15000 से अधिक शोधार्थी प्रतिभाग किए हैं। पिछले अधिवेशन जनवरी 2023 में नागपुर मे हुए भारतीय विज्ञान कांग्रेस के सत्र मे लगभग 16000 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। लखनऊ विश्वविद्यालय मे होने वाले सत्र मे लगभग 20000 प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है।

इंजीनियरिंग में नई शिक्षा नीति लागू: लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में बीटेक कोर्सेस अब सत्र 2023-24 से नई शिक्षा नीति के तहत संचालित होंगे। बीटेक पाठ्यक्रम में नयी शिक्षा नीति को लागू कर दिया गया है। विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय एनईपी 2020 को अपनाने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय है, जिसका उद्देश्य बहु.विषयक दृष्टिकोण लाना है। अब अभियांत्रिकी संकाय के बीटेक कोर्सेस में नई शिक्षा नीति लागू होने पर इंजीनियरिंग शिक्षा में एक्सेस, इक्विटी, क्वालिटी, फ्लेक्सीबिलिटी, मल्टी डिस्प्लनरी, एप्रोच एवं अकाउंटेबिलिटी बढ़ेगी। एनईपी के तहत व्यावसायिक और सामान्य शिक्षा के बीच कोई सीमांकन नहीं है। इस प्रकार छात्र अपनी रुचि के अनुसार किसी विशेष क्षेत्र में व्यवसायिक पाठ्यक्रम द्वारा अपनी क्षमता का निर्माण कर पाएंगे।

TOI PAGE 3

3 LU profs part of 2002 Science Congress to helm its next meet

Times News Network

Lucknow: Three Lucknow University professors, who were part of the 109th Indian Science Congress (ISC) held in the university in 2002, have been tasked with managing the event scheduled to be held in the university again in January next year.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai has appointed zoology faculty Prof SP Trivedi as organising secretary of the event while Prof Poonam Tandon of physics department and Prof Geetanjali Mishra of zoology department were made secretaries.

This would be the third-time Trivedi will be part of the science congress. Earlier, Trivedi had participated as LU PhD scholar in 1985 and as an LU faculty in 2002.

"I still remember the lectures and scientists I had met in the last two meets. In 1985, I was part of the congress as a scholar and got the opportunity to listen to lecture of scientist Autar Singh Paintal the then director of Vallabh Bhai Patel Chest Institute," said Trivedi.

He said: "In 2002 I made some scientists stay at my home to ensure that they had a comfortable stay."

Prof Poonam said: "In 2002 I was a faculty but like a curious student I made sure to visit the science exhibition held on the campus. I can vouch that these exhibitions are the most advanced in terms of science and technology and are a great learning opportunity not only for students but also for teachers."

Prof Geetanjali Mishra said: "In 2002, I was a newly enrolled research scholar and while passing by Lal Baradari I found great scientist Prof APJ